सांध्य दैनिक 4PM

अगर आप किसी की खुशियां लिखने वाली पेन्सिल नहीं हो सकते हैं तो एक अच्छा सा इरेजर बनिए जो उनका दुख मिटा सके।

-ब्रह्माकुमारी शिवानी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 324 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 2 जनवरी, 2025

रोहित सिडनी टेस्ट से होंगे... 7 | इस आईआईटीयन ने बाइक से... 3 | नए साल में और जोश से लोगों... 2

बीजेपी के लिए महाराष्ट्र से आ रही बुरी खबर

डूबने की कगार पर फडणवीस सरकार!

9 मंत्रियों ने अब भी नहीं संभाला कार्यभार

» विट्ठल-रुक्मिणी मंदिर में दर्शन के दौरान डिप्टी सीएम अजित पवार की मां ने दिये परिवार में एकता के संकेत

» शिवपाल-अखिलेश की तर्ज पर शरद पवार और अजित पवार में होगी सुलह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। लगता है कि वर्ष 2025 बीजेपी के लिए सियासी मुसीबत वाला साल साबित होने जा रहा है। सियासत की दुनिया में दिल्ली के बाद बीजेपी को एक बड़ा झटका महाराष्ट्र में लग सकता है। जहां सरकार के गठन के एक माह बाद भी 9 मंत्रियों ने अभी तक पदभार नहीं संभाला है। वहीं उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मां आशा पवार द्वारा पंढरपुर स्थित विट्ठल-रुक्मिणी मंदिर में दर्शन के दौरान शरद पवार और अजित पवार के एकजुट होने की प्रार्थना ने भी सियासी सुनामी लाने का काम किया है।

यदि अजित पवार और शरद पवार में एका हो जाता है तो यह समझने के लिए काफी है कि महाराष्ट्र में बीजेपी की सियासत का काम लग चुका है। भारतीय जनता पार्टी का हश्र भी यूपी जैसा होने जा रहा है जहां शिवपाल—अखिलेश यादव के एक साथ आने के बाद यूपी में बीजेपी ताश के पत्तों की तरह बह गयी। बीजेपी की तमाम कोशिशों के बाद भी सपा ने लोकसभा की 37 सीटें जीती थी।

महाराष्ट्र में चल रहा है थ्रिल व सस्पेंस से भरपूर सियासी ड्रामा

कुछ मंत्री अपनी पसंद का विभाग नहीं मिलने से नाराज

सूत्रों के मुताबिक, कुछ मंत्री अपनी पसंद का विभाग नहीं मिलने से नाराज चल रहे हैं। हालांकि सीएम देवेंद्र फडणवीस अपना पदभार ग्रहण करने के बाद से लगातार काम में व्यस्त हैं। सीएम फडणवीस ने बाकायदा कैबिनेट मीटिंग बुलाकर निर्देश दिये थे कि जिन मंत्रियों ने अपना पद नहीं संभाला है, वह जल्दी से जल्दी अपना पदभार संभाल लें ।

अजित की मां ने मांगी मंदिर में जाकर दुआ

महाराष्ट्र की सियासत में मां की दुआ ट्रेंड कर रही है। डिप्टी सीएम अजीत पवार की मां ने मंदिर में दुआ मांगने के बाद पत्रकारों से बातचीत में मांगी गयी दुआ का विवरण सार्वजनिक कर दिया। अब आप बताइये कि क्या कभी मांगी गयी दुआ पब्लिक को बताई जाती है। यकीनन नहीं लेकिन डिप्टी सीएम की मां ने मांगी गयी दुआ का विवरण बताया और कहा कि वह चाहती है कि परिवार में एका हो। दुआ के बाद महाराष्ट्र की सियासत में अनिश्चितता बन गयी है। जहां एनसीपी के दो धड़ों के बीच फिर से मेल-मिलाप की संभावनाओं पर चर्चा हो रही है। अगले लोकसभा और विधानसभा चुनावों के मद्देनजर, अजीत और शरद पवार के एक होने से विपक्षी गठबंधन को मजबूत करने में मदद मिल सकती है। महाराष्ट्र में बीजेपी-शिवसेना सरकार और विपक्षी गठबंधन के बीच लगातार शक्ति परीक्षण चल रहा है। यदि शरद और अजीत पवार की राजनीतिक दूरियां घटती हैं, तो यह राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव ला सकता है।

महायुति का गड़बड़झाला

महाराष्ट्र में महायुति सरकार की गठन के पहले से शुरू हुईं मुश्किलें अभी तक खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। नतीजे आए एक महीने से अधिक का समय हो चुका है। लेकिन सरकार की मुश्किलें अभी भी बनी हुई हैं। सीट शेयरिंग से लेकर मंत्रिमंडल विस्तार होने तक महायुति में लगातार विवाद देखने को मिला। उम्मीद थी कि मंत्रिमंडल गठन के बाद महायुति में सब कुछ ठीक ठाक हो जाएगा। लेकिन अब कैबिनेट मंत्री पद को लेकर भी सरकार में खींचतान जारी है। नागपुर में विधानमंडल के शीतकालीन सत्र से पहले 25 नवंबर को 39 मंत्रियों को शपथ दिलाई गई थी और सत्र खत्म होने के बाद इन मंत्रियों के विभागों की घोषणा की गई थी। लेकिन अभी तक नौ मंत्रियों ने मुंबई पहुंचकर पदभार ग्रहण नहीं किया है।

तय हो चुका है सियासी बंटवारा!

अजीत पवार और शरद पवार के बीच राजनीतिक बंटवारे पर सहमति बनने के बाद ही मां को आगे किया गया है और उनका बयान आया है। आज से पहले इस मुद्दे पर कभी मां ने कोई बात नहीं कि। सूत्रों की माने तो यह तय हो चुका है कि लोकसभा में अजीत पवार शरद पवार का समर्थन करेंगे ओर विधानसभा मे अजीत पवार एनसीपी को आगे ले जाएंगे। आशा पवार ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सभी विवाद खत्म होने चाहिए। अजित पवार और शरद पवार को एक होना चाहिए। उन्होंने अजित पवार की सभी इच्छाओं के पूरा होने के लिए भी भगवान से प्रार्थना की। आशा पवार का यह भावनात्मक बयान शरद पवार और अजित पवार के बीच बढ़ती दूरी को कम करने की पहल माना जा सकता है।

वर्शिप एक्ट याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार

» एआईएमआईएम ने डाली है रिट, 17 फरवरी को बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी की याचिका को कई मामलों के साथ टैग कर दिया - कुछ मामलों में पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 की वैधता को चुनौती दी गई, और अन्य इसकी वकालत की गई।

इसे सख्ती से लागू किया जाए। उस समय चल रहे मुकदमे के कारण अयोध्या में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद स्थल को छोड़कर, सभी पूजा स्थलों के धार्मिक चरित्र को संरक्षित करने के लिए अधिनियम बनाया गया था, जैसा कि वे 15 अगस्त, 1947 को थे। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति पीवी संजय कुमार की पीठ ने निर्देश दिया कि ओवैसी की याचिका को अन्य मामलों के साथ टैग किया जाए और सुना जाए, जिन पर 17 फरवरी को सुनवाई होने की उम्मीद है।

शिवराज की चिट्ठी पर भड़के केजरीवाल

» बोले- कृषि कानूनों को दोबारा लागू करने की हो रही तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में किसानों को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की चिट्ठी पर आप हमलावर है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में किसान कई दिनों से धरने और अनिश्चित अनशन पर बैठे हैं। इनकी वही मांगे हैं जो केंद्र सरकार ने तीन साल पहले मान ली थी लेकिन अभी तक लागू नहीं की।

बीजेपी को इतना ज्यादा अहंकार क्यों है : आप संयोजक

शिवराज चौहान की इसी चिट्ठी के जवाब में दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, बीजेपी सरकार अब अपने वादे से मुकर गई। बीजेपी सरकार किसानों से बात तक नहीं कर रही। उनसे बात तो करो। हमारे ही देश के किसान हैं। बीजेपी को इतना ज्यादा अहंकार क्यों है कि किसी से बात भी नहीं करते?

इससे पहले शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को लिखी चिट्ठी में कहा है कि आप की सरकार किसानों के प्रति बेहद उदासीन है। किसानों के लिए आप की दिल्ली सरकार में कोई संवेदना नहीं है।

अमित मालवीय और मनोज तिवारी को संजय सिंह ने भेजा कानूनी नोटिस

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को बीजेपी के सोशल मीडिया प्रमुख अमित मालवीय और सांसद मनोज तिवारी को कानूनी नोटिस भेजा। अमित मालवीय और मनोज तिवारी ने संजय सिंह पर एक से अधिक वोटर आईडी कार्ड रखने का आरोप लगाया था। इससे पहले आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि मेरी पत्नी ने 4 जनवरी को अपना नाम वहां से हटाने के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय, सुल्तानपुर में एक आवेदन दायर किया है। मेरी मां और मेरे पिता का नाम मतदाता सूची में है- उनके अलावा, न तो मेरी पत्नी और न ही मेरा नाम मतदाता सूची में है।

नए साल में और जोश से लोगों के साथ खड़ी होगी सपा : अखिलेश

» सपा मुखिया बोले- 2027 में यूपी में भाजपा का सत्ता से बाहर जाना तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि नए साल में समाजवादी पार्टी किसानों, नौजवानों, महिलाओं, पीडीए के हक और सम्मान के लिए लड़ाई जारी रखने का संकल्प लेती है। समाजवादी पार्टी बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर के बनाए संविधान और डा. राममनोहर लोहिया के विचारों, नेताजी मुलायम सिंह यादव के बताए संघर्ष के रास्ते पर चलते हुए सभी के लिए न्याय, सम्मान और अधिकार दिलाने की लड़ाई लड़ती रहेगी।

समाजवादी पार्टी की नीतियों और कार्यों के प्रति जनता का भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है। समाजवादी पार्टी का लक्ष्य 2027 में भाजपा को सत्ता से हटाकर न्याय और विकास के मार्ग को प्रशस्त करना है। 2027 में उत्तर प्रदेश में भाजपा का सत्ता से बाहर जाना तय है। पीडीए के लोग एकजुट होकर समाजवादी पार्टी की अपनी सरकार बनाएंगे। पीडीए की सरकार में कोई भी पीडीए के अधिकारों को नहीं छीन पाएगा।

कुंभ की परम्परा में निमंत्रण नहीं दिया जाता

अखिलेश यादव ने कुंभ में स्नान, दानकर श्रद्धालु पुण्य अर्जित करते है। कुंभ की परम्परा में निमंत्रण नहीं दिया जाता है। श्रद्धालु स्वयं और स्वतः प्रेरणा से प्रयागराज आकर कुंभ में स्नान दर्शन कर पुण्य अर्जित करते हैं। समाजवादी पार्टी की सरकार में हमने 2013 में कुंभ का शानदार आयोजन किया था। वह कुंभ गंगा-जमुनी संस्कृति का उदाहरण बना था। उसकी पूरी दुनिया में सराहना हुई थी। विश्व विख्यात हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने समाजवादी पार्टी की सरकार के समय हुए कुंभ आयोजन की तारीफ की थी। कन्नौज के महादानी सम्राट हर्षवर्धन ने भी शानदार महाकुंभ का आयोजन किया था। वे कुंभ में दान करते थे। समाजवादी पार्टी की सरकार में कुंभ क्षेत्र में महादानी सम्राट हर्षवर्धन की प्रतिमा फिर से लगाएंगे।

विचार शून्य और खोखली पार्टी है भाजपा

यादव ने कहा कि पीडीए की बढ़ती ताकत से भाजपा घबराई हुई है। भाजपा साजिश और षडयंत्र रचती रहती है। भाजपा विचार शून्य और खोखली पार्टी है। सत्ता का दुरुपयोग करती है। संविधान को नहीं मानती है। भाजपा लोकतंत्र की हत्या करने के लिए पुलिस का अनुचित इस्तेमाल करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार विकास और जनहित के काम के मामले में कभी समाजवादी पार्टी का मुकाबला नहीं कर सकती है। भाजपा सिर्फ नफरत फैला सकती है और भेदभाव करती है।

नववर्ष पर सपा प्रमुख से मिले कार्यकर्ता व नेता

नववर्ष की बधाई देने वाले प्रमुख लोगों में नेता विरोधी दल विधानसभा माता प्रसाद पाण्डेय, नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद लाल बिहारी यादव, पूर्व नेता विरोधी दल विधानसभा राम गोविन्द चौधरी, राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, सांसद नरेश उत्तम पटेल, सांसद आरके चौधरी, नीरज मौर्य, दुर्गा प्रसाद यादव, पूर्व मंत्री एवं विधायक राम अचल राजभर, राममूर्ति वर्मा, अम्बिका चौधरी, नवाब इकबाल महमूद, पूर्व सांसद अरविन्द कुमार सिंह, विधायक आशु मलिक बड़ी संख्या में नेता, कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दागी छवि वाले नेताओं को टिकट नहीं देंगे : मायावती

दिल्ली विस चुनाव में बसपा बदलेगी अपनी रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी अपनी रणनीति में कुछ बदलावों के संकेत दिये हैं। पार्टी ने फैसला किया है कि वह दागी छवि वाले नेताओं को टिकट नहीं देगी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने स्वच्छ छवि वाले नेताओं को टिकट देने को कहा है। साथ ही, टिकट वितरण और संगठन में महिलाओं और युवाओं को तवज्जो देने के निर्देश भी दिए हैं।

बता दें कि बीते दिनों बसपा सुप्रीमो ने पार्टी में महिलाओं और युवाओं की भागीदारी 50 फीसद तक बढ़ाने को कहा था, जिसका पहला प्रयोग दिल्ली चुनाव में होगा। दरअसल, बसपा दिल्ली विधानसभा चुनाव में साफ-सुथरी छवि वाले युवाओं और महिला चेहरों को मौका देने की रणनीति पर काम कर रही है। पार्टी ने दागी छवि वाले नेताओं को टिकट नहीं देने का निर्णय इस वजह से लिया है ताकि चुनाव में आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों को कड़ी चुनौती दी जा सके। सूत्रों की मानें तो बसपा के इस कदम से आप समेत सभी दलों पर दबाव बनाया जा सकेगा। दागी छवि वाले प्रत्याशी नहीं होने से अन्य दल बसपा को निशाने पर नहीं ले सकेंगे। बसपा सुप्रीमो ने अन्य दलों के नेताओं को भी पार्टी के साथ जोड़ने को कहा है, जिसके बाद इसकी मुहिम शुरू हो चुकी है।

नए साल में सत्ता पक्ष व विपक्ष स्वार्थ की राजनीति का करे त्याग

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने देशवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लोग नहीं पूछते हैं कि संविधान के तहत सरकार ने उनके लिए क्या किया। सरकार को अपनी नीयत, नीति व गुड गवर्नेंस से अच्छे दिन लाकर खुद को जनहितैषी साबित करना चाहिए। नया साल छलावा और खोटी उम्मीदों वाला नहीं हो, इसके लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष को स्वार्थ की संकीर्ण राजनीति को त्यागना होगा। लोगों को उनका हक देने में सही नीयत व नीति के साथ अपनी शक्ति व ऊर्जा समर्पित करनी होगी।

जनहित व जनकल्याण के साथ सरकार का आचार-व्यवहार भी सही हो

बसपा सुप्रीमो ने अपने बयान में यूपी सरकार के बारे में कहा कि बड़ी आबादी वाले प्रदेश की जिम्मेदारियां भी ज्यादा हैं। जनहित व जनकल्याण के साथ सरकार का आचार-व्यवहार भी सही होना चाहिए। लोगों के जान-माल, इज्जत और मजहब की सुरक्षा जरूरी है। संकीर्ण राजनीति और वोट बैंक के स्वार्थ से जनहित प्रभावित होगा तो गुड गवर्नेंस कैसे हो सकता है। लोग अपनी मेहनत का सही फल चाहते हैं। महंगाई के दौर में गरीबी और बेरोजगारी से कमाई कम हुई है, जिससे लोगों का जीवन स्तर प्रभावित हो रहा है।

अनेकता में एकता के सूत्र पर अमल करने से देश में रहेगी शांति

उन्होंने कहा कि अनेकता में एकता के सूत्र पर अमल करने से देश में शांति रहेगी और विकास बाधित नहीं होगा। रुपये की विश्व बाजार में गिरावट, विकास की धीमी गति आदि मुद्दे चिंतित करने वाले हैं। सरकारों को जातिवाद, सांप्रदायिक व राजनीतिक द्वेष व भेदभाव से ऊपर उठकर काम करना होगा। जनहित पर पूरा ध्यान केंद्रित करना होगा। गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, पलायन की विवशता, सुख-शांति, बेहतर जनसुविधा तथा कानून-व्यवस्था के अभाव के तनावपूर्ण जीवन से लोगों को मुक्ति दिलाना सरकारों की जिम्मेदारी है।

ओपी चौटाला की विरासत संभालेंगे अभय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिरसा। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला की शोकसभा में परिवार के एकजुट होने के सारे आसार खत्म हो गए। अभय सिंह चौटाला और अजय चौटाला अलग-अलग ही नजर आए। हर किसी की निगाहें दोनों भाइयों के भावों पर टिकी हुई थी।

आखिरकार दोनों परिवारों के एक होने की उम्मीद रखने वाले कार्यकर्ताओं को मायूसी हाथ लगी। अब पूर्व मुख्यमंत्री चौटाला के उत्तराधिकारी अभय सिंह चौटाला ही होंगे और उनकी विरासत को आगे बढ़ाएंगे। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला की सारी रस्म क्रिया से लेकर शोकसभा के आयोजन की जिम्मेदारी अभय सिंह चौटाला और उनके बेटों ने संभाली हुई थी। मंच से एकमात्र किसान नेता राकेश टिकैत ने ही दोनों भाइयों के एकजुट होने की बात कही। सभी ने एक स्वर से अभय सिंह चौटाला से ही पार्टी को आगे बढ़ाने की बात पर जोर दिया। शोकसभा में अजय सिंह और अभय सिंह के बेटे आपस में एक-दूसरे से दूरी बनाते हुए नजर आए। एक बारगी अभय सिंह चौटाला के पास अर्जुन चौटाला जाने लगे तो रास्ते में दुष्यंत चौटाला कुर्सी पर बैठे हुए थे। ऐसे में अर्जुन चौटाला दुष्यंत चौटाला को नजरअंदाज करते हुए दूसरी दिशा से अभय सिंह चौटाला के पास पहुंच गए।

इनेलो की मौजूदा राजनीतिक स्थिति में पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल और पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला की विरासत को आगे बढ़ाना एक चुनौती से कम नहीं होगा। मौजूदा समय में अभय चौटाला स्वयं विधायक नहीं हैं।

राजनीतिक दिग्गजों ने पूर्व सीएम को दी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिरसा। गांव चौटाला के साहिब राम स्टेडियम में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की रस्म पगड़ी और श्रद्धांजलि सभा में सभी दलों के राजनीतिक दिग्गज जुटे। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने नम आंखों से ओपी चौटाला की यादों को ताजा करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

सर्वधर्म सभा में ओपी चौटाला की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। स्टेडियम में आयोजित शोकसभा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि ओम प्रकाश चौटाला का जाना समूचे हरियाणा के लिए दुखदायी है। उनका निधन एक तरीके से राजनीतिक क्षेत्र में एक युग का अंत है।

कृषि मंत्री शिवराज से मिलने का 100 मंगलवार करेंगे इंतजार : जीतू पटवारी

» मप्र कांग्रेस अध्यक्ष बोले- जारी रहेगी किसानों की लड़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। नए साल 2025 के प्रथम दिन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी अपने खेतों में पहुंचे और ट्रैक्टर चलाकर आलू निकाले। इसके बाद पटवारी ने एक वीडियो जारी कर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को जमकर घेरा उन्होंने कहा कि मै लगातार उनसे मंगलवार को मिलने के लिए समय मांग रहा हूं,लेकिन वह मुझे समय तक नहीं दे पा रहे हैं।

पटवारी ने कहा यह लड़ाई राजनीतिक नहीं है ना ही व्यक्तिगत है यह लड़ाई किसानों की है, एमएसपी की है। पटवारी ने कहा कि मैं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह से मिलने के लिए 100 मंगलवार तक समय मांगता रहूंगा। इसके बाद मै खुद उनसे मिलने जाऊंगा। मै उम्मीद करता हूं कि शिवराज जी

इस दौरान मुझे समय दे देंगे। जीतू पटवारी ने आगे कहा कि मैं किसान का बेटा हूं किसान के सारे दर्द समझता हूं। हमारा जीवन यापन इसी से चलता है। हमारे चाचा दादा हमेशा से खेती करते रहे। हमारी व्यक्तिगत किसी से लड़ाई नहीं है। हमारी किसानो के लिए लड़ाई है। किसान की धान गीली हो गई तो सरकार अब उसे नहीं खरीदेगी। वही लहसुन महंगा हो गया तो अपने चीन से मंगा लिया। किसानों का अब लहसुन नहीं बेचेगा। किसान आखिर जाए तो जाए कहां। अपने किसानों से जो वोट लेते समय वादा किया वह वादा पूरा करिए। एमएसपी देने की बात कही वह अभी तक नहीं मिल पाई। धन और गेहूं की कीमतों में बढ़ोतरी की बात भी कही गई थी वह अभी तक पूरी नहीं हुई।

इस आईआईटीयन ने बाइक से नाप डाली पूरी दुनिया

बाइकर आशीष शर्मा की अनोखी कहानी

➤ **आईआईटी से पास होने के बाद हर कोई बड़े पैकेज की तलाश करता है, आपने आईआईटी से पास आउट होने के बाद कहां-कहां जॉब की ?**

➤ आईआईटी से निकलने के बाद पहले मैं छोटे स्टार्टअप में रहा। फिर मैंने खुद भी स्टार्टअप किया, जहां कुछ सफलता भी मिली। इसके बाद मैंने चेन्नई में अमेजॉन में जॉब की, उसके बाद 2021 में यूके में फेसबुक लंदन में ज्वाइन किया।

» अबतक 45 से अधिक देशों की कर चुके हैं यात्रा

» 5 महीनों में तय किया बाइक से लंदन से कजाकिस्तान तक का सफर

» आईआईटी मद्रास से पास आउट हैं आशीष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अगर मैं आपसे कहूं कि एक व्यक्ति आईआईटी करके, फेसबुक जैसी कंपनी में अपनी नौकरी को छोड़कर अपने पैशन को पूरा करने के लिए बाइक यानी मोटरसाइकिल से ही पूरी दुनिया को नापने निकल पड़ा, तो शायद आप मेरी बातों पर यकीन न करें। लेकिन ये कोई काल्पनिक कहानी नहीं है बल्कि बेंगलुरू के रहने वाले अशीष शर्मा की असली, वास्तविक कहानी है। या यूं कहें कि आशीष शर्मा की जिंदगानी है।

2005 में आईआईटी मद्रास से ग्रेजुएट करने वाले बाइक से ही पूरी दूनिया को नापने निकले आशीष शर्मा अब तक 45 से अधिक देशों की यात्रा अपनी मोटरसाइकिल से कर चुके हैं। इस सफर में आशीष को उनके हमसफर का भी पूरा साथ मिला और दोनों ने कई देशों की यात्रा साथ में भी की। अपने सपनों को जीने के लिए और अपने पैशन को पूरा करने के लिए जुनूनियत की हद को पार कर चुके आशीष शर्मा से 4PM के **संपादक संजय शर्मा** ने खास बातचीत की और उनके अनोखे अनुभवों के बारे में जाना। प्रस्तुत हैं जुनूनियत के हद को दर्शाने वाली एक रोचक बातचीत के कुछ अंश–

➤ **आईआईटियन होने और अमेजॉन व फेसबुक जैसी बड़ी कंपनियों में काम करने के बाद, आपको ये बाइक से पूरी दुनिया घूमने का कीड़ा कब और कैसे काटा ? कब लगा आपको कि नौकरी छोड़कर जुनूनियत पर निकलना है ?**

➤ इसकी कहानी लगभग 2015 में शुरू होती है। इससे पहले मैंने 2008 में एक बुलेट खरीदी थी। तो 2015 में जब हमने अपना स्टार्टअप बंद किया तो मेरी वाइफ ने कहा कि तुम्हारी इस बुलेट से घूमने की काफी इच्छा थी तो चलो इससे घूमने निकलते हैं। तब मैंने और मेरी पत्नी ने 2015 में लद्दाख की बाइक ट्रिप की थी, जो कि मेरी पत्नी ने ही बनाई थी। इस ट्रिप के दौरान ही मुझे लगा कि ऐसा मजा मुझे कभी जॉब करके या अपना स्टार्टअप करने नहीं आया। लेकिन फिर भी मैं ट्रिप पूरा करके वापस कॉर्पोरेट सेक्टर में आ गया। इसके बाद 2018 में मैंने एक न्यूज पढ़ी जिसमें एक फैमिली ने कार से बेंगलुरु से पेरिस तक की रोड ट्रिप की थी। इस खबर ने मुझे काफी रोमांचित किया। तब मैंने सोचा था कि अगर कभी संभव हो सका तो मैं भी ऐसा करूंगा। इसके बाद मैं 2020 में यूके जाना चाहता था लेकिन कोरोना की वजह से संभव नहीं हो सका। इसके बाद 2023 में जब हमने यूके से वापस आने का तय किया तो मैंने अपनी वाइफ से कहा कि हमें ये करना चाहिए, हालांकि, पत्नी को जल्दी इंडिया वापस आना था, इसलिए वो तो आ गईं। लेकिन मुझे लगा कि मैं ये दोबारा नहीं कर पाऊंगा, इसलिए मैंने एक सेकेंड हैंड बाइक खरीदी, कुछ राइडिंग गियर्स खरीदे और शेंगेन वीजा लिया जिससे मैं यूरोप जा सकता हूं और फिर मैं लंदन से इंडिया की तरफ निकल पड़ा। मैंने सोचा जितना चल सकूंगा चलूंगा। लेकिन जब मैं निकला तो चीजें आसान होती हैं, कई जगह मुझे मुश्किलें हुईं लेकिन मदद मिलती गई। चलते-चलते मैं 5 महीने का सफर करके और 40 देशों को पार करते हुए कजाकिस्तान तक पहुंच गया, जो लंदन से तकरीबन 22 हजार किलोमीटर दूर है। इस दौरान मैंने रशिया और चाइना का भी वीजा फिगर आउट किया। इस बीच रशिया में मुझे काफी मदद मिली, क्योंकि वहां पर बाइकर गैंग काफी सक्रिय है। इस दौरान कई चीजें साफ होती गई। इसी दौरान मुझे ये आइडिया आया कि सिर्फ कजाकिस्तान ही क्यों, पूरा विश्व क्यों नहीं।

➤ **अब तक आप कितने देशों की यात्रा बाइक से कर चुके हैं?**

➤ करीब-करीब 40-45 देश घूम चुका हूं। इसमें यूरोप के छोटे-छोटे देश भी शामिल हैं। प्राय- यूरोप के सभी देश मैं घूम चुका हूं। इसके अलावा एशिया में टर्की, रशिया, जॉर्जिया, कजाकिस्तान और सेंट्रल एशिया के देश मैं घूम चुका हूं। आगे मेरा विचार है कि साउथ ईस्ट एशिया, मिडिल ईस्ट, अमेरिकन कॉन्टिनेंट जैसे कई देश अभी घूमने को बचे हैं। इनमें भी घूमना है।

➤ **आप इतना घूमते रहते हैं, आपके पास ये पैसा कहां से आता है?**

➤ जब मैं लंदन से निकला था, तो मैंने कुछ पैसे बचाकर रखे थे कि इनसे घूमूंगा।

➤ **आपने कभी लोगों से ये अपील नहीं की कि वो आपको स्पॉन्सर करें? आप पूरी दुनिया में घूम रहे हैं, देश का नाम हो रहा है।**

➤ नहीं, मैंने कभी ऐसा नहीं कहा किसी से।

➤ **आपने कभी सरकार से मदद मांगी कि आपको स्पॉन्सर करे ? मुझे लगता है कि आप सरकार से, प्रधानमंत्री जी से कहें, उन्हें लिखें, हो सकता आपको मदद मिले ?**

➤ नहीं सर, मैंने सरकार से कभी कोई मदद नहीं मांगी। मुझे ऐसा लगा भी नहीं।

➤ **आपको दुनिया के 45 देशों में घूमने के बाद कोई ऐसी बात कॉमन नजर आई, जो आपको लगे कि हर देश में है ?**

➤ एक चीज जो मुझे हर देश में कॉमन लगी वो है इंसानियत। जब आप कुछ मुश्किल करने निकलते हैं तो दुनिया के हर देश में मुझे पूरा सपोर्ट मिला और इंसानियत देखने को मिली। भले ही मेरा स्किन कलर अलग हो, मेरा धर्म कुछ भी हो, लेकिन लोगों ने मेरा सपोर्ट किया। इंडिया में भी जब मैं यात्रा कर रहा था, तब भी लोग मुझसे ये जरूर कहते थे कि दुनिया बुरी आप संभलकर चलें, लेकिन वो लोग भी मेरी मदद जरूर करते हैं। कहीं न कहीं लोगों को लगता है कि संभलकर चलना चाहिए, लेकिन इंसानियत अभी भी कायम है। इसलिए अब ये मेरा दृढ़ विश्वास हो गया है कि दुनिया में जब आप कुछ बड़ा करने निकलते हैं, तो सब आपके साथ अच्छा ही करते हैं, ये फर्क नहीं पड़ता कि आप किस देश, समुदाय या स्किन कलर के हैं।

सांध्य दैनिक 4PM
विशेष साक्षात्कार

➤ **जब आप किसी देश में जाते हैं, तो वहां क्या करते हैं?**

➤ एक लॉन्ग टर्म विजन रहती है। जब किसी देश में जाता हूं तो वहां घूमने की भी इच्छा रहती है। किसी एक देश से दूसरे देश की ओर जाता हूं तो रास्ते में जो भी चीजें हैं उन्हें देखता हुआ चलूं। जैसे कोई कल्चरल स्थान हैं या फिर नेचुरल साइट्स हैं उन्हें देखता चलूं। लेकिन मैं बहुत ज्यादा रिसर्च करके नहीं जाता हूं और कोशिश यही रहती है कि अपनी लागत को कम से कम रखूं। ताकि ज्यादा से ज्यादा देश घूम सकूं, क्योंकि जब मैं यात्रा करता हूं तो मेरे पास कोई आय का श्रोत नहीं होता है।

➤ **सबसे अच्छा देश कौन सा लगा आपको ?**

➤ मुझे लगता है कि प्राकृतिक खूबसूरती के हिसाब से तो नॉर्वे ही है। मैं नॉर्वे के टूरिज़्म ऐड देखा करता था जहां एक नॉर्थ अटलांटिक रोड है जिस पर गाड़ी निकलती है तो पानी ऊपर आ जाता है, मैं वहां भी गया था। कल्चर के हिसाब से मुझे उज्बेकिस्तान के कुछ शहर काफी पसंद आए। व्यक्तिगत तौर पर मुझे बुखारा काफी खूबसूरत लगता है। वहां की शाम देखकर तो मैं हैरान रह गया।

➤ **कभी कोई ऐसा अनुभव रहा जो रोमांचकारी हो, या जिसमें आपको कभी कहीं डर लगा हो, कुछ अलग हुआ हो आपके साथ ? कोई अप्रत्याशित घटा हो ?**

➤ एक बार जब मैं नॉर्वे में था तो एक वॉटर फॉल के पास शाम को पहुंचा था। जब मैं वहां से निकल रहा था तो अंधेरा हो गया था और मेरी बाइक की लाइटें भी बंद हो गई थीं। उस दिन शनिवार था और अगले दिन छुट्टी थी, तो जब मैंने बात की तो उन्होंने कहा कि आपको अब रात तक तो वहीं रुकना पड़ेगा और सुबह ही आपको मदद मिल सकेगी। जिसके बाद मैं वॉटर फॉल के टॉयलेट के पास ही किनारे टेंट लगाकर सो गया। रात में बारिश भी हुई, लेकिन पानी अंदर नहीं आया। सुबह जब मैं उठा और मैंने बाइक स्टार्ट की तो लाइट अपने आप सही हो गई और जल गई।

➤ **कभी कोई खतरनाक पल भी आया, जब आपको लगा हो कि जिंदगी पर बन आई है, फंस गए हों आप ?**

➤ कभी-कभी बाइक का ब्रेकडाउन हो जाता था, जिसके बाद लगता था कि अब बाइक दोबारा नहीं चलेगी। अभी मैं रशिया में था तो वहां पर ऐसा हुआ था कि मैं एक सुनसान जगह पर था और चलते-चलते बाइक बंद हो गई थी। लेकिन इससे पहले जब मैं रशिया गया था तो बाइकर गैंग वाले जो मेरे दोस्त थे, उनमें से एक को फोन किया और उन्होंने फोन पर मुझे गाइड किया, जिसके बाद गाड़ी स्टार्ट हो गई। उस वक्त जरूर ऐसा लगा कि अगर बाइक न स्टार्ट हुई तो क्या होगा क्योंकि मैं काफी सुनसान जगह पर था। शायद फिर मुझे वहीं कहीं टेंट लगाकर सोना पड़ता। लेकिन कहीं न कहीं मुझे मदद मिलती रही। इसलिए कभी जान-माल का खतरा नहीं हुआ मेरे साथ।

➤ **मैंने आपकी मोटरसाइकिल की फोटो देखी, काफी कुछ रखा था उस पर। एक बाइक पर आप कितना सामान लेकर चलते हैं ?**

➤ मेरी जो बाइक है वो सुजुकी की वी-स्ट्रॉम बाइक है, जिसमें दोनों साइड में और पीछे भी एक डिब्बा होता है। एक डिब्बे में मेरा सारा सोने का सामान होता है, स्लीपिंग बैग वगैरह। एक साइड में मैं अपने सारे डिजिटल सामान रखता हूं, जिसमें लैपटॉप, कैमरा और जो कुछ मैं वीडियोज बनाता हूं वो सब होता है। पीछे वाले बॉक्स में आसानी से मिल सकने वाले सामान रखता हूं, जैसे मेडिकल किट वगैरह। इसके अलावा पीछे वाली सीट पर मैं एक बैग बांधता हूं, जिसमें मेरे कपड़े वगैरह होते हैं। मैं सारे सीजन के कपड़े लेकर चलता हूं, सर्दी, गर्मी बरसात।

➤ **आपकी पत्नी नहीं कहती हैं कि क्यों खामखा खतरों के खिलाड़ी बने हुए हो?**

➤ वाइफ को डर रहता तो है, शुरू-शुरू में माता-पिता को भी थोड़ा डर रहता था। शुरू में पत्नी भी राजी नहीं थीं, लेकिन फिर धीरे-धीरे हो गईं। जब मैं लंदन से निकला था तो मैं अपनी पत्नी से ही बात करता था। और किसी से इसलिए भी नहीं करता था क्योंकि इससे पहले मैंने ऐसे किसी व्यक्ति के बारे में नहीं सुना था जो एक सेकंड हैंड बाइक लेकर पूरी दुनिया घूमने निकल जाए। मैं खुद भी इसको लेकर आश्वस्त नहीं था। इसलिए मैं सिर्फ अपनी पत्नी से ही बातें किया करता था। शुरू में पत्नी ने जरूर पूछा कि कैसे करोगे तुम, लेकिन मैंने उनसे कहा कि मैं ऐसा करना चाहता हूं और शुरू में तुम्हारा ही सपोर्ट रहेगा। तो वो समझ गईं और उन्होंने सपोर्ट किया। आगे चलकर हमने एक बीच का रास्ता निकाला, जैसे मैं टर्की में था तो मेरी वाइफ भी आ गईं और हमने साथ में थोड़ा समय बिता लिया। इस तरह से फिर उनको भी लगा कि चलो उनका भी घूमना हो जाता है। फिर इसी तरह चलता रहा।

➤ **अब आगे की क्या योजना है ?**

➤ अभी मेरी गाड़ी मंगोलिया में खड़ी है। मैं वापस जाकर, पूर्वी रशिया में जाकर एक रोड है जिसे रोड ऑफ बोन्स बोलते हैं। उसका अपना एक इतिहास है जब द्वितीय विश्वयुद्ध खत्म हुआ था, तो सोवियत सरकार ने कैद में जो नाजी सैनिक थे उसने बनवाया था। तब जो लोग मर रहे थे उनकी बॉडी को भी उस रोड के निर्माण में डाल दिया जाता था। इसीलिए उसका नाम रोड ऑफ बोन्स हुआ। मैं उस रोड पर बाइक चलाना चाहता हूं और शायद मैं पहला भारतीय हूंगा जो उस रोड पर सोलो राइड करूंगा। कुछ भारतीय हैं जिन्होंने ग्रुप में किया है, लेकिन सोलो मुझे लगता है किसी ने नहीं किया है। तो 2025 की गर्मियों में मेरा ये प्लान है।

➤ **इंडिया की कौन-कौन सी सड़कें अभी रह गई हैं जहां आपको बाइक चलानी है या इंडिया को लेकर क्या प्लान है ?**

➤ इंडिया में मैं अभी पैन कुंभ प्लान कर रहा हूं। जहां से कुंभ शुरू होता है यानी नासिक से उज्जैन, उज्जैन से हरिद्वार और हरिद्वार से फिर प्रयागराज की यात्रा करूंगा। कोशिश रहेगी कि जिस दिन महास्नान होती है तब मैं प्रयागराज पहुंचू। मैं इन सभी जगहों को भी अपने यूट्यूब वीडियोज में कवर करूंगा। @pocha_solo_biker के नाम से मेरा यूट्यूब चैनल है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

उम्मीद है 2025 में हारेगी नफरत, जीतेगी मोहब्बत!

नया साल शुरू हो गया। लोगों को उम्मीद है इसबार राजनीति साफ सुथरी रहेगी। बीते वर्ष में देखने को आया कि देश में सांप्रदायिकता हावी रहा । चूकि 2024 के वर्ष में लोकसभा व चार राज्यों में विधान सभा चुनाव संपन्न हुए। इन चुनावों में जो राजनैतिक प्रचार हुए वह बहुत ही निम्न स्तर के रहे। सत्ता पक्ष में बैठी भाजपा ने जहां विपक्ष पर असंसदीय टिप्पणियां की वहीं विपक्ष भी इसमें कुछ पीछे नहीं रहा। लेकिन विश्वास करना चाहिए कि आने वाले 2025 में लोगों के बीच प्रेम, भाईचारा प्रगाढ़ होगा। विकास के बावजूद कई मोर्चों पर देश में चुनौतियां भी हैं। जॉबलेस ग्रोथ का आरोप भले पूरी तरह सच न हो, लेकिन युवाओं के लिए अच्छी नौकरी ढूंढना एक गंभीर समस्या है। आयुष्मान भारत स्कीम अच्छी योजना है, लेकिन उसके दुरुपयोग की खबरें भी आती रहती हैं। वहीं, इंश्योरेंस की हाल में आई रिपोर्ट बताती है कि साल 2023-24 के दौरान हेल्थ इंश्योरेंस के 71.3 फीसदी दावे ही सेटल किए गए। जाहिर है नियामक को इसे गंभीरता से लेना होगा।

साल 2024 को अलविदा कहने के बाद 2025 की ओर देखते हुए हम इस बात पर राहत और सुकून महसूस कर सकते हैं कि आगे की राह चुनौतियों से खाली भले न हो, पर उम्मीद और विश्वास के दीप उसे रोशन कर रहे हैं। 2024 में हुए लोकसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद राजनीतिक अस्थिरता की जो आशंका बनी थी, साल के अंत तक वह खत्म हो गई। हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के नतीजों ने जाहिर कर दिया कि बीजेपी का दबदबा बना हुआ है। कांग्रेस की भी ताकत बढ़ी है। जहां तक देश के आर्थिक विकास की रफ्तार का सवाल है तो यह सही है कि हाल में इसमें थोड़ी कमी आई है। साल 2024-25 की दूसरी तिमाही में यह 5.4 फीसदी पर आ गई जो पिछली सात तिमाहियों का सबसे निचला स्तर है। लेकिन गौर करने की बात है कि यह चुनावी साल था। लिहाजा सरकारी खर्च में कमी एक बड़ा फैक्टर रही। जानकार मानते हैं कि तीसरी और चौथी तिमाहियों में यह रफ्तार तेज होगी। वैसे भी रिजर्व बैंक का अनुमान है कि 2024-25 में देश की सालाना बढ़ोतरी दर 6.6 फीसदी रहेगी। एलएसी से जुड़ा विवाद सुलझा लिए जाने के बाद अब नए साल में चीन के साथ रिश्तों में बेहतरी की उम्मीद बढ़ गई है। बांग्लादेश के हालात जरूर भारत के लिए कुछ चुनौती पेश कर रहे हैं, अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप की नीतियों को लेकर भी कुछ आशंकाएं हैं, फिर भी कुल मिलाकर साल 2025 युद्ध के बजाय शांति की संभावनाओं को मजबूती देता दिख रहा है। भारत में भी पक्ष व विपक्ष के बीच में रार थमेगी और दोनों मिलकर आमजन से जुड़े मुद्दों पर एकसुर में बोलेंगे और देश को आगे बढ़ाने में योगदान देंगे। नफरत हारेगी और मोहब्बत जीतेगी। इसलिए आइए खुले दिल से सभी को नए वर्ष की शुभकमानाएं दें।

“ सत्ता पक्ष में बैठी भाजपा ने जहां विपक्ष पर असंसदीय टिप्पणियां की वहीं विपक्ष भी इसमें कुछ पीछे नहीं रहा। लेकिन विश्वास करना चाहिए कि आने वाले 2025 में लोगों के बीच प्रेम, भाईचारा प्रगाढ़ होगा। विकास के बावजूद कई मोर्चों पर देश में चुनौतियां भी हैं। जॉबलेस ग्रोथ का आरोप भले पूरी तरह सच न हो, लेकिन युवाओं के लिए अच्छी नौकरी ढूंढना एक गंभीर समस्या है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दुनिया की सोच भी बदल दी एआई ने

डॉ. शशांक द्विवेदी

पूरी दुनिया में टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्र में साल 2024 में कई बड़े बदलाव हुए। एआई सहित कई-कई टेक इनोवेशन सामने आये हैं, जिन्होंने तकनीकी दुनिया को बदलने और लोगों को हैरान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लोगों ने जनरेटिव एआई को अपनाने से लेकर फोल्डेबल स्मार्टफोन की बढ़ती पॉपुलेरिटी तक, एक्सेसिबिलिटी और इंटीग्रेशन को बढ़ाने पर फोकस किया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए साल 2024 एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी साल साबित हुआ। इस साल एआई ने तकनीकी विकास में ऐसी छलांग लगाई, जिसने न केवल डिजिटल दुनिया बल्कि आम लोगों की जिंदगी को भी पूरी तरह से बदल दिया। एआई अब हर सेक्टर में काबिज हो रही है। 5जी की प्रौद्योगिकी ने तेज इंटरनेट स्पीड और कनेक्टिविटी के मामले में एक क्रांतिकारी बदलाव किया है।

इसके चलते स्मार्टफोन और इंटरनेट ऑफ थिंग्स डिवाइसेस की क्षमता में भी वृद्धि हुई है। वर्ष 2024 में वर्चुअल रियलिटी और ऑगमेंटेड रियलिटी (वीआर/एआर) ने गेमिंग, एंटरटेनमेंट, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में नयी ऊंचाइयों को छुआ है। नये और उन्नत वीआर/एआर हेडसेट्स और एप्लिकेशन का विकास हुआ है। 2024 में मिक्स्ड रियलिटी हेडसेट कंज्यूमर टेक्नोलॉजी में नए सेगमेंट के रूप में सामने आए हैं, जो फिजिकल और डिजिटल इनवायरन्मेंट को सीमलेस ब्लेंड करते हैं। एपल और मेटा जैसे ब्रांड ने ऐसे डिवाइस पेश किए हैं जो वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) को इंटीग्रेट करते हैं ताकि डीप इमर्सिव एक्सपीरियंस ऑफर किए जा सकें। बीते साल क्वांटम कम्प्यूटर के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई। आईबीएम और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियों ने अपने क्वांटम कंप्यूटरों के नये वर्शन पेश किये हैं, जिनका उद्देश्य समस्याओं को हल करने की गति को मौजूदा सुपरकंप्यूटर से कई गुना अधिक बढ़ाना है। एआई ने शिक्षा के क्षेत्र में भी नई क्रांति लाने का काम किया। भारत की पहली एआई टीचर के रूप में आइरिस जानी जाती हैं।

इस साल मार्च में इन्हें तिरुवनंतपुरम के केटीसीटी स्कूल द्वारा विकसित किया गया। वर्ष 2024 में बायोइलेक्ट्रॉनिक्स और हेल्थ टेक्नोलॉजी ने स्वास्थ्य देखभाल को एक नयी दिशा दी है। स्मार्ट वियरेबल्स, स्वास्थ्य से संबंधित एप्स

और एआई-बेस्ड डायग्नोस्टिक टूल्स ने मेडिकल क्षेत्र में सुधार किया है। वहीं, सस्टेनेबिलिटी और ग्रीन टेक की बात करें, तो पर्यावरणीय चिंताओं को ध्यान में रखते हुए ग्रीन टेक्नोलॉजी में भी इस साल इनोवेशन हुआ है। सोलर पैनल्स, इलेक्ट्रिक वाहन और ऊर्जा संरक्षण के नये तरीके सामने आये हैं। ट्रांसपेरेंट टीवी इस साल काफी चर्चा में रहा। ये 77-इंच का एक ट्रांसपेरेंट टीवी है, ये बंद होने पर शीशे की तरह दिखता है। टीवी ऑन होता है तो एक अलग ही तरह विजुअल एक्सपीरियंस मिलता है। इसमें वायरलेस कनेक्टिविटी के लिए जीरो कनेक्ट बॉक्स का यूज किया गया है। वर्ष 2024 में हुआवई ने फोल्डेबल या फ्लिप फोन नहीं बल्कि ट्रिपल फोल्ड फोन लॉन्च किया है। ये दुनिया का पहला ट्रिपल-फोल्ड स्मार्टफोन है। स्मार्टफोन खुलने पर 10.2 इंच की बड़ी स्क्रीन ऑफर करता है। ये टैबलेट की तरह भी यूज किया जा सकता है। इसमें 1टीबी स्टोरेज है। फोटो-वीडियोग्राफी के लिए चार कैमरा हैं। स्मार्टफोन से कई फोल्डिंग मोड्स में काम कर सकते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तेजी से स्मार्टफोन, लैपटॉप और दूसरे गैजेट के काम करने के तरीके का एक जरूरी हिस्सा बन गया है। ये क्रिएटिव और प्रेक्टिकल फीचर्स को एड करती है, जो इन डिवाइसेज के इस्तेमाल के तरीके को बेहतर बनाती है। वर्ष 2024 में हुए सबसे बड़े इनोवेशन की बात की जाएगी तो उसमें न्यूरालिंक का जिक्र होगा। इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब इंसानी दिमाग में चिप लगाई गई। इस साल की शुरुआत में एलन मस्क के टेक स्टार्टअप न्यूरालिंक ने यह कारनामा किया था। कंपनी ने चिप को लेकर दावा किया कि इसके जरिये कम्युनिकेशन और बॉडी को कंट्रोल किया जा सकता है। इस साल कई ऐसे इनोवेशन हुए जो कल्पनाओं से भी परे थे। इतिहास का सबसे बड़ा शटडाउन भी इसी साल देखने को मिला।

दुनिया का पहला एआई हॉस्पिटल बनाने वाला देश चीन है, जिसमें मरीजों का इलाज रोबोट करते हैं। इसमें 14 एआई डॉक्टर और 4 एआई नर्स हैं। एआई हॉस्पिटल नए इनोवेशन के नजरिये से काफी दिलचस्प है। एआई डॉक्टर मशीन लर्निंग के आधार पर काम करते हैं। बेहतर, उन्नत और लगातार इस्तेमाल के साइड इफेक्ट्स भी देखने को मिले। मसलन, 2024 में डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते मामलों ने हर किसी को परेशान किया। साल 2024 ने साबित कर दिया कि एआई सिर्फ एक तकनीक नहीं, बल्कि मानवता के भविष्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे न केवल जीवन आसान हुआ है, बल्कि प्रोडक्टिविटी और क्रिएटिविटी को भी एक नया आयाम मिला है।

आलोचना को भी शालीनता से लेते थे मनमोहन सिंह

टी.एन. निनान

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से पहली मुलाकात 1981 में दिल्ली में बतौर एक बिजनेस स्टैंडर्ड संवाददाता के रूप में हुई थी, जब अपने ब्यूरो चीफ के साथ योजना आयोग के सदस्य-सचिव से मिलने गया था। वे दोनों पुराने दोस्त थे। जब हम विशाल कार्यालय में सोफे पर बैठे, तो मेरे बॉस ने गौर किया कि डॉ. सिंह के पॉलिश किए हुए जूते के ऊपरी हिस्से पर सिलवटें पड़ी हुई थीं। मेरे ब्यूरो चीफ ने दोस्ताना अंदाज में पूछ ही लिया, आप नए जूते क्यों नहीं खरीद लेते? डॉ. सिंह का जवाब था कि उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में पिछली नियुक्ति के दौरान जो कुछ बचत की थी, उससे अपने लिए एक घर बनवाया है। अब आगे अपनी बेटियों की शादी के लिए पैसे जोड़ने की जरूरत है। इसके कुछ समय बाद, मैं आयोग के एक अन्य सदस्य से मिलने उनके घर गया। उन प्रतिष्ठित वैज्ञानिक ने मुझे एक कप चाय न दे पाने के लिए माफी मांगी। उन्होंने बताया कि चीनी बहुत महंगी हो गई है।

यह वह समय था, जब सरकार के शीर्ष पर बैठे लोग भी मामूली वेतन पर साधारण जीवन जीते थे, उस वक्त भारतीय अर्थव्यवस्था दुनियाभर में गरीबी और घरेलू स्तर पर हर किस्म की वस्तुओं की कमी और नियंत्रण के लिए जानी जाती थी। और ऐसी अर्थव्यवस्था को डॉ. सिंह ने 1991 में नियंत्रण-मुक्त किया था। उत्पादक अब उपभोक्ताओं का पीछा करते हैं, जैसा कि उन्हें करना चाहिए। सच है, 1991 में डॉ. सिंह ने जितना भी किया, उसके लिए उन्हें उचित श्रेय से कहीं अधिक मिला। जैसा कि उन्होंने खुद एक बार एक साक्षात्कार में कहा था, यह एक सामूहिक प्रयास था, और सभी का योगदान था- ज्यादातर चुपचाप रहकर काम करने वाले पीवी नरसिम्हा राव से लेकर उनके प्रमुख सचिव ए.एन. वर्मा और उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय के अन्य लोगों ने अपनी भूमिका निभाई। उसमें यशवंत सिन्हा भी शामिल थे, जिन्होंने नरसिम्हा राव की सरकार के शपथ ग्रहण करने तक, चंद्रशेखर सरकार में वित्त मंत्री रहते हुए देश को दिवालियापन से बचाने के लिए आपातकालीन उपाय किए।

नि:संदेह, भारत के लिए एक नए युग का सूत्रपात करने वाली महत्वपूर्ण घटना डॉ. सिंह का 1991 का बजट रहा, जिसमें उन्होंने विक्टर ह्यूगो को उद्धृत करते हुए कहा था : 'पृथ्वी पर कोई भी शक्ति उस विचार को नहीं रोक सकती जिसका समय आ गया हो', और इन शब्दों के साथ समाप्त किया, 'पूरी दुनिया कान खोलकर और स्पष्ट रूप से सुन ले। भारत अब जाग गया है। हम पार पाएंगे। हम होंगे कामयाब'। हालांकि, आलोचनाएं भी कम न थीं, उनके प्रधानमंत्रित्व काल में हुई कुछ चीजों के लिए जितनी आलोचना होनी चाहिए थी, शायद उससे कहीं ज़्यादा थीं। एक अस्थिर गठबंधन सरकार, जिसमें हर भागीदार वही करता था, जो वह करना चाहता था। एक ऐसी सरकार, जिसे हर काम में नुक्ताचीनी ढूंढने वाले वामपंथियों का समर्थन पाने को कड़वा घूंट पीना पड़ता था, एक ऐसा मंत्रिमंडल, जिसमें कई मंत्रियों की वफादारी प्रधानमंत्री के प्रति न होकर सोनिया गांधी के प्रति अधिक थी। श्रीमती गांधी ने खुद कुछ कामों की बागडोर अपने हाथ में रखी थी, सो एक दोहरी शासन व्यवस्था बनी हुई थी।

पद पर बेशक डॉ. सिंह थे, लेकिन वास्तव में सत्ता या पूर्ण नियंत्रण उनके हाथ में नहीं था। तिस पर, वे वह नेतृत्व प्रदान करने में भी असफल रहे जो वास्तव में उनकी भूमिका थी। जबकि खुद उन्होंने यह दर्शन दिया था : 'राजनीति संभावना की कला है', तथापि उन्होंने न तो खुद को मुखर करने और न ही संभावनाओं की सीमाओं का विस्तार किया- जैसा कि मैंने एक बार बेबाक किंतु मैत्रीपूर्ण व्यक्तिगत बातचीत के दौरान उन्हें यह कह भी दिया। इस पर उनका जवाब था कि उनकी अपनी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं है। एक प्रधानमंत्री के मुख से यह निकलना एक अजीब बात थी। श्रीमती सोनिया गांधी को भी यह श्रेय जाता है कि डॉ. सिंह सरकार की कई बड़ी पहलकदमियों की प्रवर्तक वे रहीं, मसलन, सूचना का अधिकार, ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम और भोजन का अधिकार। अंत में, जो आपके पास बचता है वह हैं उनके व्यक्तिगत गुण। पारदर्शी ईमानदारी और सार्वजनिक भलाई के उद्देश्य की भावना, हर मुलाकात की विशिष्टता रही शालीनता और शिष्टाचार। प्रत्येक भेंट में उनकी समझ और ज्ञान की गहराई, कभी-कभार उनकी मुस्कुराहट जो मुश्किल समय में भी हंसने की उनकी क्षमता को दर्शाती थी। वे चंद शब्दों में बहुत कुछ कह जाते थे।

वर्ष 1996 में, जब मैंने उल्लेख किया कि राव सरकार अपने चुनाव घोषणापत्र में आर्थिक सुधारों का जिक्र करने नहीं जा रही, तो एक पल के लिए ठिठक कर उन्होंने पूछा 'बात करने के लिए और बचा क्या'? टिप्पणीकार डॉ. सिंह की विनम्रता का उल्लेख करते हैं। हां, उनका व्यवहार विनम्र था जो उनके अंदर स्वाभाविक रूप से था। वास्तव में, वे लोगों को तारीफ से मिलने वाली आत्म-तुष्टि का इस्तेमाल करने वाले एक चतुर खिलाड़ी थे, जिन्हें वे अत्यधिक प्रशंसा के साथ चित्त कर देते थे - जैसा कि मैंने एक से अधिक बार देखा। लेकिन कुछेक बार यह करना कुछ ज्यादा ही हो गया। एक मर्तबा, जब दिल्ली के ताज पैलेस होटल में अमेरिका के राष्ट्रपति के सम्मान में आयोजित दोपहर के भोजन के दौरान उन्होंने जॉर्ज डब्ल्यू बुश की शान में अतिशयोक्तिपूर्ण कसीदे पढ़ते हुए कह डाला : 'पूरा भारत उनसे प्यार करता है।' उन्होंने आईएमएफ के प्रबंध निदेशक माइकल कैमडेसस के साथ भी ऐसा ही किया, जिन्होंने 1991 में भारत के लिए संजीवनी बना ऋण मंजूर किया था।

महाराष्ट्र की इन जगहों का घूमने का बनाएं प्लान

सर्दियां चल रही हैं ऐसे में लोग अपनी बची हुई छुट्टियों का इस्तेमाल करते हैं और अपने दोस्तों और परिवारवालों के साथ घूमने जाते हैं। यदि आपके पास भी काफी छुट्टियां बची हैं तो दफ्तर से अवकाश लीजिए और महाराष्ट्र की सैर करने जाएं। सर्दियों के मौसम में ज्यादातर लोग शिमला, मनाली, नैनीताल और मसूरी जाना पसंद करते हैं लेकिन यदि आप भीड़ से अलग रहकर घूमने का प्लान कर रहे हैं तो महाराष्ट्र एक बेहतर विकल्प है। महाराष्ट्र में कई ऐसी जगहें हैं, जहां के नजारे देखने लायक होते हैं। इन जगहों पर जाने के लिए आपको ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यहां के लिए आप अपने दोस्तों, परिवारजन के अलावा सोलो ट्रिप भी प्लान कर सकते हैं।

अजंता-एलोरा की गुफाएं

यदि आपको इतिहास में दिलचस्पी है तो बिना सोचे अजंता-एलोरा की गुफाएं घूमने का प्लान बनाएं। सर्दियों में इन गुफाओं की सैर करना सुखद रहता है। महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित अजंता और एलोरा की गुफाएं वैसे तो एक दूसरे से 100 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं, लेकिन अपने सौन्दर्यशास्त्र और महत्ता की वजह से इन दोनों का नाम हमेशा ही साथ में लिया जाता है। बड़े-बड़े पहाड़ और चट्टानों को काटकर बनाई गई ये गुफाएं भारतीय कारीगरी और वास्तुकला का बेहतरीन नमूना है।

लोनावला और खंडाला

यदि आपको कहीं हिल स्टेशन पर जाना है तो ये दोनों जगह सर्दियों के मौसम में और भी खूबसूरत हो जाती हैं। ये हिल स्टेशन मुंबई और पुणे के पास हैं। यहां का करला और भाजा गुफाएं, भुशी डैम और लोनावला झील सर्दियों के नजारे सर्दियों में देखने लायक होते हैं। लोनावाला टूरिस्ट प्लेस 622 मीटर की ऊंचाई पर सह्याद्री पर्वतमाला पर है और यह पर्वतमाला दक्कन के पठार और कोंकण तट को अलग करने में अपनी भूमिका निभाता हैं। यदि आप पुणे और मुंबई के आसपास किसी पर्यटन स्थल की तलाश में हैं तो लोनावाला एक आदर्श स्थान हैं।

गणपतिपुले

यदि आपको बीच पर रहने का शौक है तो आपके लिए जगहें एकदम परफेक्ट हैं। शांत समुद्र तट, गणपतिपुले मंदिर और कोंकणी व्यंजन यहां के आकर्षण हैं। सर्दियों में इन जगहों का मौसम सुहावना रहता है और यात्रा करने में आनंद आता है। आपकी प्राथमिकताओं के अनुसार इनमें से जगह चुन सकते हैं।

महाबलेश्वर

महाबलेश्वर अपने आप में ही बेहद खूबसूरत जगह है। यह पहाड़ी स्थल अपनी हरी-भरी घाटियों, स्ट्रॉबेरी फार्म्स और शानदार व्यू पॉइंट्स के लिए काफी फेमस है। यदि आप यहां जाएंगे तो आर्थर सीट, एलफिंस्टन पॉइंट और वेनना झील के नजारों का लुत्फ उठा सकते हैं। मंदिरों से परिपूर्ण महाबलेश्वर को वास्तव में हिन्दुओं का एक तीर्थ स्थल कहा जा सकता है। साथ ही यह एक अत्यंत मनोरम पर्वतीय स्थल भी है जिसकी ऊंचाई समुद्र सतह से लगभग 1372 मीटर है। महाबलेश्वर एक विस्तृत पठार है जो चारों ओर से घाटियों से घिरा हुआ है। महाबलेश्वर के ऊंचे-ऊंचे पर्वत एवं हरियाली से ओतप्रोत घाटियां उन सभी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं जो मुंबई व पुणे जैसे महानगरों के प्रदूषण एवं कोलाहल से दूर एक शांत स्थल पर आकर कुछ क्षण आनंद से व्यतीत करना चाहते हैं।

हंसना मना है

एक लड़की- हे भगवान, मेरी शादी किसी समझदार आदमी से करवा दो, भगवान - घर जाओ बेटी समझदार आदमी कभी शादी नहीं करते!

एक लड़का फेल हुआ तो उसके पापा ने कहा, देख-देख उस लड़की को देख, वो तुम्हारे साथ पढ़ती है और 1st आयी है। लड़का- देख देख क्या देख, उसी को देख देख के तो फेल हुआ हूं!

लड़की- अगर मैं मर जाऊं तो तुम क्या करोगे? लड़का- मैं भी मर जाऊंगा, लड़की- पर क्यों? लड़का- कभी-कभी ज्यादा खुशी भी जान ले लेती है!

फेंकू- पप्पू, जल्दी से टीवी चालू कर, 30 फीट का सांप दिखा रहे हैं, पप्पू- अरे फेकू, नहीं देख सकते हम, फेंकू- क्यों? पप्पू- क्योंकि हमारा टीवी 21 इंच का है ना।

मामा- तुझे इतनी मार क्यों पड़ी? भांजा- बारात में गलत बोल गया। मामा- क्या? भांजा- वारी वरसी खटन ग्यासी, खटके ले आंदा तार। भगंडा तभी सजेगा, जब नाचे कुडी का यार! मामा- फिर तो मार पड़नी ही थी। भांजा- मुझे तो सिर्फ मार ही पड़ी, जो बंदा नाचा उसकी तो परसों तेरहवीं है।

कहानी | लड़ती बकरियां और सियार

बहुत समय पहले की बात है। एक जंगल में किसी बात को लेकर दो बकरियों के बीच झगड़ा हो गया। इस झगड़े को वहां से गुजर रहा एक साधु देख रहा था। देखते ही देखते दो बकरियों में झगड़ा इतना बढ़ गया कि दोनों आपस में लड़ने लगीं। उसी समय वहां से एक सियार भी गुजरा। वह बहुत भूखा था। जब उसने दोनों बकरियों को झगड़ते देखा, तो उसके मुंह में पानी आ गया। बकरियों की लड़ाई इतनी बढ़ गई थी कि दोनों ने एक-दूसरे को लहूलुहान कर दिया था, लेकिन फिर भी लड़ना नहीं छोड़ रही थीं। दोनों बकरियों के शरीर खून निकलने लगा था। भूखे सियार ने जब जमीन पर फैले खून की तरफ देखा, तो उसे चाटने लगा और धीरे-धीरे उनके करीब जाने लगा। उसकी भूख और ज्यादा बढ़ गई थी। उसके मन में आया कि क्यों न दोनों बकरियों को मारकर अपनी भूख मिटाई जाए। वहीं, दूर खड़ा साधु यह सब देख रहा था। जब उसने सियार को दोनों बकरियों के बीच जाते हुए देखा, तो सोचा कि अगर सियार इन दोनों बकरियों के और करीब गया, तो उसे चोट लग सकती है। यहां तक कि उसकी जान भी जा सकती है। साधु अभी यह सोच ही रहा था कि सियार दोनों बकरियों के बीच पहुंच गया। बकरियों ने जैसे ही उसे अपने पास आते देखा, तो दोनों ने लड़ना छोड़कर उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से सियार अपने आप को संभाल नहीं सका और चोटिल हो गया। वह किसी तरह से अपनी जान बचाकर वहां से भागा। सियार को भागता देख बकरियों ने भी लड़ना छोड़ दिया और अपने घर लौट गईं। वहीं, साधु भी अपने घर की ओर चल दिया।

कहानी से सीख: हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। साथ ही दूसरों की लड़ाई में नहीं कूदना चाहिए, इससे हमारा ही नुकसान होता है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नव वर्ष के प्रथम दिन घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा।

वृषभ

नए साल के पहले दिन आपको अप्रत्याशित धनलाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। भाग्य का साथ मिलेगा।

मिथुन

आज महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें, तभी लाभ होगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बढ़ सकती है।

कर्क

आज नए साल के पहले दिन व्यापार मनोनुकूल चलेगा, जिससे अच्छा धन आगमन होगा। नौकरी में चैन बना रहेगा। धनहानि संभव है, सावधानी रखें।

सिंह

आज नव वर्ष के आगमन पर धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। कार्य की नई योजना बनेगी, जिसका तत्काल लाभ भी मिलेगा। आपकी कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

कन्या

नव वर्ष 2025 का पहला दिन पूजा-पाठ में व्यतीत होगा।। किसी साधु-संत का आशीवार्द मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे।

तुला

आज व्यवसाय ठीक चलेगा। माता को पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक

जनवरी के पहले दिन व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आज कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है।

धनु

आज नवीन घर का सपना पूरा होता दिखाई देगा। भूमि व भवन की खरीदी की योजना पूर्ण होगी। आज नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी।

मकर

नव वर्ष आगमन पर बाहरी यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं।

कुम्भ

नए साल का पहला दिन व्यवसाय के लिहाज से ठीक रहेगा। जल्दबाजी से चोट लग सकती है। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन

आज व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। जनवरी के पहले दिन धनलाभ के कई अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

बिग बॉस 18 के कंटेस्टेंट्स ने बड़े नाटक किए : कंगना रनौत

कंगना रनौत ने बिग बॉस 18 के घर में एक टास्क में भाग लिया और कंटेस्टेंट्स के बारे में अपने विचार शेयर किए, उन पर अनावश्यक ड्रामा करने का आरोप लगाया। कंगना रनौत अपनी आगामी फिल्म इमरजेंसी का प्रमोशन कर रही हैं और हाल ही में सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 18 में दिखाई दीं। शो में, उन्होंने एक टास्क में भाग लिया और प्रतियोगियों के बारे में अपने विचार शेयर किए, उन पर अनावश्यक ड्रामा बनाने का आरोप लगाया। बिग बॉस के घर से बाहर निकलने के बाद, कंगना ने पपराजी से बातचीत की, जिन्होंने घर में उनके अनुभव के बारे में पूछा। फोटोग्राफरों ने पूछा, इमरजेंसी टास्क हुआ कि नहीं? उनके सवालों का जवाब देते हुए, उन्होंने कहा, बड़े नाटक किए इन लोगों ने। बड़े उत्पात मचाए। एक मजाकिया नोट जोड़ते हुए, उन्होंने चुटकी ली, मैंने अंदर जाकर तानाशाही दिखाई है। बिग बॉस के घर में अपने टास्क के दौरान, कंगना रनौत ने एक सुनहरे चेकर्ड को-ऑर्ड सेट में एक स्टाइल स्टेटमेंट बनाया। एक स्लीक पोनीटेल और कैट-आई सनग्लास के साथ अपने लुक को पूरा किया, जिससे एक्ट्रेस का पहनावे में एक ठाठ दिख रहा था। कंगना की इमरजेंसी कई बार देरी का सामना करने के बाद आखिरकार 17 जनवरी को सिनेमाघरों में आने वाली है। मूल रूप से नवंबर 2023 में रिलीज होने की योजना थी, लेकिन फिल्म की रिलीज को जून 2024, फिर 6 सितंबर, 2024 तक टाल दिया गया और CBFC सर्टिफिकेशन लंबित होने के कारण इसे और आगे बढ़ा दिया गया। 17 अक्टूबर को, कंगना ने एक्स पर पुष्टि की कि सेंसर बोर्ड ने फिल्म को हरी झंडी दे दी है। फिल्म को सिख समुदाय से कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा था, जिन्होंने इसकी सामग्री के बारे में चिंता जताई थी। इंदिरा गांधी की जीवनी पर आधारित फिल्म इमरजेंसी में कंगना रनौत ने बतौर लेखक, निर्देशक और सह-निर्माता काम किया है। यह फिल्म 1975 से 1977 तक के 21 महीने के दौर को दिखाती है, जब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल की घोषणा की थी, जो भारत के इतिहास का एक दर्दनाक अध्याय था।

आज रिलीज होगा फिल्म 'गेम चेंजर' का ट्रेलर

ग्लोबल स्टार शंकर शनमुगम द्वारा निर्देशित फिल्म गेम चेंजर दर्शकों को लुभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस फिल्म के ट्रेलर को लेकर लगातार कोई ना कोई जानकारी सामने आ रही है। लेकिन अब फिल्म मेकर्स ने गेम चेंजर के ट्रेलक की रिलीज की आधाकिरिक घोषणा की है, जिससे प्रशंसकों में काफी उत्साह है। जानिए फिल्म गेम चेंजर का ट्रेलर कब रिलीज होगा। फिल्म गेम चेंजर में राम चरण के साथ कियारा आडवाणी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। ऐसा पहली बार है जब किसी साउथ फिल्म में कियारा नजर आने वाली हैं, जब से फिल्म के ट्रेलर की रिलीज का एलान किया गया है, तभी से इस फिल्म को लेकर प्रशंसकों के बीच उत्साह काफी बढ़ गया है। नए साल की धमाकेदार

बॉलीवुड | मसाला

शुरुआत करते हुए, गेम चेंजर के निर्माताओं ने घोषणा की है कि ट्रेलर 2 जनवरी, 2025 को शाम 5.04 बजे रिलीज किया जाएगा। प्रशंसकों और फिल्म प्रेमियों के बीच उत्साह को और बढ़ाने के लिए राम चरण का एक प्रभावशाली पोस्टर रिलीज किया गया है, जिसमें वह एक प्रभावशाली अवतार में नजर आ रहे हैं।

राम चरण और कियारा आडवाणी के अलावा, इस फिल्म में अंजलि, श्रीकांत, समुथिरकानी, जयराम, नवीन चंद्रा और बाकी कई कलाकारों ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। दिल राजू ने श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले इस फिल्म का निर्माण किया है और इसमें थमन एस द्वारा संगीतबद्ध किया गया है, जो बेहतरीन साउंडट्रैक का वादा करता है।

जल्द ही गढ़वाली फिल्म 'घपरोल' में नजर आयेंगी अपराजिता वर्मा

मिस उत्तराखंड प्रिंसेज और मिस नॉर्थ इंडियन जैसे ब्यूटी पेजेंट जीत चुकीं मॉडल से अभिनेत्री बनीं अपराजिता वर्मा जल्द ही गढ़वाली फिल्म 'घपरोल' में नजर आने वाली हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और सब कुछ ठीक रहा तो ये फिल्म नए साल के पहले महीने में ही उत्तराखंड व अन्य राज्यों में रिलीज हो जाएगी। पहाड़ों की सभ्यता और संस्कृति का प्रचार करने वाली इस फिल्म के रशेज देखने वालों का कहना है कि ये फिल्म उत्तराखंड का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में अच्छे प्रतिनिधित्व कर सकती है और उत्तराखंड सरकार से भी फिल्म के निर्माता इस बारे में बात कर रहे हैं। फिल्म 'घपरोल' दरअसल एक पारिवारिक कॉमेडी फिल्म है जिसकी अंतर्धारा उत्तराखंड की महिला शक्ति है। जैसा कि सब जानते हैं कि पहाड़ों पर महिलाओं का पारिवारिक जिम्मेदारियां उठाने में बड़ा योगदान होता है और हर गांव में कोई न कोई ऐसा कुटीर उद्योग मिल ही जाता है जिसे चलाने की जिम्मेदारी स्थानीय महिलाओं ने उठाई हुई होती है। इस फिल्म में उत्तराखंड के इसी परिदृश्य को कहानी का आधार बनाया गया है। कई कमर्शियल विज्ञापन फिल्मों में नजर आ चुकीं अपराजिता वर्मा को इस फिल्म में एक दमदार किरदार मिला है और वह अपनी इस पहली फिल्म को लेकर काफी खुश हैं। अपराजिता कहती हैं, 'फिल्म 'घपरोल' को इसके निर्माताओं अजय ढौंडियाल और रघुवीर सिंह ने बहुत ही मेहनत से बनाया है। फिल्म की शूटिंग उत्तराखंड के कुछ बेहद खूबसूरत स्थानों पर हुई है। उत्तराखंड की संस्कृति को करीब से दर्शाने के लिए इसकी कहानी और पटकथा को बहुत संजीदगी से लिखा गया है। फिल्म में दर्शकों को रैथल की बेहद खूबसूरत लोकेशन्स नजर आएंगी। उत्तराखंड इतना प्यारा इससे पहले शायद ही किसी फिल्म में दिखा होगा।'

अपने किरदार के बारे में पूछे जाने पर अपराजिता बताती हैं, 'मेरे किरदार का नाम फिल्म में शीतल है। मैं एक गढ़वाली बेटी का किरदार निभा रही हैं, जिसने जीवन में अपने बूते कुछ कर दिखाने का सपना देखा है। वह स्थानीय संस्कृति के प्रचार प्रसार में लगे लोगों के साथ होती है और चाहती है कि उत्तराखंड के बारे मे दुनिया भर के लोग ज्यादा से ज्यादा जानें। उसे खाना पकाने का बहुत शौक है और वह अपना हुनर इस काम में भी दिखाती है।'

अजब-गजब | इंडोनेसिया के इस गांव में है अजीबो-गरीब बीमारी

यहां के लोगों की आंखें कंचे की तरह होती है नीली

यो यो हनी सिंह का गाना, 'ब्लू आइज़' तो आपने सुना ही होगा। लोगों में नीली आंखों को लेकर अलग ही रुचि होती है। राज कपूर से लेकर करिश्मा कपूर तक और ऐश्वर्या राय बच्चन से लेकर तैमूर अली खान तक, जिन सेलेब्स या सेलेब्स के बच्चों की नीली आंखें लोगों के सामने नजर आई हैं, उन्हें देखकर लोग हैरान हो गए हैं। यूं तो ये रंग काफी दुर्लभ है और आप बहुत कम ही लोगों को नीली आंखों के साथ देखेंगे, मगर दुनिया में एक गांव ऐसा भी है जहां हर किसी की आंखों का रंग नीला है। लोग उनकी आंखें देखकर ही डर जाते हैं! तो अब सवाल ये उठता है कि आखिर नीली आंखें होने के पीछे क्या कारण है?

इंस्टाग्राम अकाउंट @jackofftoart पर हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया गया है जिसमें कई नीली आंखों वाले लोग नजर आ रहे हैं। ये लोग असल में बुटॉन जनजाति के लोग हैं जो इंडोनेशिया के सुलावेसी प्रांत में, बुटॉन आइलैंड पर रहते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार इनकी आखों का रंग प्राकृतिक है जो एक दुर्लभ जेनेटिक कंडीशन की वजह से आया है। इस कंडीशन के तहत 42 हजार में 1 व्यक्ति की आंख नीली हो जाती है। फोटोग्राफर कॉर्चनोई पासारिबू ने इन लोगों की फोटोज खींची थी।

इस दुर्लभ जेनेटिक डिसऑर्डर का नाम वारडेनबर्ग सिंड्रोम है। इस सिंड्रोम की वजह से शरीर में कई समस्याएं हो सकती हैं, जैसे सुनने में परेशानी, पिगमेंटेशन में कमी, जिसकी वजह से आंखें नीली हो जाती हैं, या फिर एक आंख नीली और एक भूरी हो जाती है और शरीर पर सफेद दाग भी पड़ सकते हैं। ये सिंड्रोम म्यूटेशन की वजह से होता है। ये भ्रूण के विकास के दौरान ही होता है।

बुटॉन आइलैंड इस जनजाति के अलावा अपने जंगली जानवरों के लिए भी फेमस है। अनोआ नाम की एक प्रकार की भैंस भी यहां पाई जाती है। ये भैंस सिर्फ दो ही जगह मिलती है, जिसमें से बुटॉन भी एक जगह है। ये आइलैंड दुनिया का 129वां सबसे बड़ा आइलैंड है और इंडोनेशिया का 19वां सबसे बड़ा आइलैंड है। जैसे-जैसे पीढ़ी बढ़ रही है, ये जेनेटिक म्यूटेशन एक से दूसरी पीढ़ी में ट्रांसफर होता जा रहा है।

पैसा कमाने का इस महिला का है अजीबो-गरीब तरीका, खुद को गुदगुदी कर बनाती है वीडियो

आजकल पैसे कमाना इतना आसान हो गया है कि सिर्फ दिमाग लगाने की देर है और आप पैसों का अंबार हासिल कर सकते हैं। पर जरूरी है कि आप इतने तिकड़मी हों कि आपको पैसे कमाने का तरीका मालूम हो। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया की एक मॉडल के काफी चर्चे हों जो बेहद अजीबोगरीब तरीकों से पैसे कमाती है। उसके काम के बारे में जानकर आपको लगेगा कि आखिर कोई ऐसा भी कर सकता है! दरअसल, ये लड़की खुद को गुदगुदी लगाकर वीडियो बनाती है और उससे पैसे कमाती है। उसे खुद को गुदगुदी करते हुए देखने के लिए लोग लाखों रुपये देने को तैयार हो जाते हैं।

एक वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया की मॉडल मिया बेली बोल्ड वीडियोज बनाकर पैसे कमाती हैं। वो सब्सिक्रप्शन वेबसाइट ओन्लीफैंस पर कंटेंट क्रिएटर हैं। उन्होंने लोगों की एक फेटिश, यानी सनक को समझ लिया है और उसी का फायदा उठाकर वो वीडियो बनाती हैं। दरअसल, वो खुद को गुदगुदी करती हैं, या किसी और से करवाती हैं और फिर उसका वीडियो बनाकर इंटरनेट पर पोस्ट करती हैं। वीडियो के बदले वो लोगों से पैसे चार्ज करती हैं। लोग उनके गुदगुदी वाले वीडियोज देखने के लिए लाखों रुपये देते हैं। कई बार वो किसी दूसरे को गुदगुदी करते हुए, या गुदगुदी करने की एक्टिंग करते हुए भी वीडियोज बनाकर लोगों को पर्सनली भेजती हैं। इस वजह से उनके पास सैकड़ों लोगों की रिक्वेस्ट आती रहती है। इस काम से 20 साल की उम्र में ही मिया ने अपनी ड्रीम कार को खरीद लिया था। कुछ ही महीनों में वो एक प्रॉपर्टी भी खरीदने वाली हैं। उन्होंने बताया कि ये काम शुरू करने के पीछे कारण ये था कि फाइनैंशियल फ्रीडम और काम में फ्लेक्सिबिलिटी भी चाहती थीं। अब वो इतने पैसे कमाने लगी हैं कि लाइफ को काफी लग्जरी से जी रही हैं। उन्हें उनके फैंस बहुत प्यार और सपोर्ट करते हैं। अब वो अपने हिसाब से काम करती हैं, जब उनका मन होता है तब वीडियोज बनाती हैं। काम का बोझ उनके ऊपर नहीं रह गया है। इस काम के जरिए उन्होंने परिवार को भी काफी सहारा दिया है और उनकी जरूरतों को पूरा किया है।

मंदिरों को तोड़ने की योजना बना रही भाजपा : आतिशी

» बोलीं- धार्मिक समिति सीधे दिल्ली एलजी के अधीन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की सीएम आतिशी ने कहा, भाजपा की केंद्र सरकार दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में हिंदू मंदिरों और बौद्ध मंदिरों को तोड़ने की योजना बना रही है। एक धार्मिक समिति है, जो मंदिरों को शिफ्ट करने या उन्हें तोड़ने के बारे में फैसला लेती है। यह दिल्ली सरकार के गृहमंत्री के अधीन आती थी।

पिछले साल तक इस समिति के सभी फैसले पहले गृहमंत्री के सामने रखे जाते थे और उनकी मंजूरी के बाद ही कोई कार्रवाई की जाती थी, लेकिन पिछले साल दिल्ली के एलजी ने आदेश दिया कि किसी भी धार्मिक स्थल को तोड़ना कानून व्यवस्था का मामला है और इसलिए यह दिल्ली एलजी के अधीन आता है और इसलिए दिल्ली के सीएम या गृहमंत्री का इससे कोई लेना-देना नहीं है। आतिशी ने कहा कि अब धार्मिक समिति सीधे दिल्ली एलजी के अधीन है। समिति के अध्यक्ष गृह विभाग के प्रमुख सचिव होते हैं और वह समिति के सुझावों को मंजूरी के लिए सीधे दिल्ली एलजी को भेजते हैं। 22 नवंबर को धार्मिक समिति की बैठक हुई थी।

नहीं टूटेगा कोई मंदिर : एलजी सक्सेना

सीएम आतिशी के आरोप को राजनिवास ने बेबुनियाद बताते हुए पुलिस को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। सीएम आतिशी के पत्र पर एलजी सचिवालय ने कहा, न तो कोई मंदिर, मस्जिद, चर्च या कोई अन्य पूजा स्थल तोड़ा या ध्वस्त किया जा रहा है, न ही इस आशय की कोई फाइल आई है।

सीएम अपनी और अपने पूर्ववर्ती सीएम की विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए सस्ती राजनीति कर रही हैं। एलजी ने पुलिस को सख्त निर्देश जारी किए हैं कि वे उन ताकतों के खिलाफ अतिरिक्त सतर्कता बरतें जो राजनीतिक लाभ के लिए जानबूझकर तोड़फोड़ कर सकते हैं। उनके निर्देशों का सख्ती से पालन किया जा रहा है, जैसा कि हाल ही में क्रिसमस समारोह के दौरान देखा गया था, जिसमें कोई अप्रिय घटना नहीं हुई थी।

गिरगिट की तरह रंग बदलती है आप : सुधांशु

दिल्ली में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। इसी बीच भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि आप गिरगिट की तरह रंग बदलती है। अरविंद केजरीवाल दिल्ली की जनता से झूठे वादे कर रहे हैं। आप नेता जो कहते हैं वो नहीं करते हैं। मोहल्ला क्लीनिक में भ्रष्टाचार उजागर हुआ। अब केजरीवाल को जनता समझ चुकी है। भाजपा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि आप पार्टी के हर वरिष्ठ नेता को भ्रष्टाचार के आरोप में जेल भेजा गया है। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और संसद में पार्टी के नेता, तीनों ही जेल जा चुके हैं। आपने पहले कभी इतना विधिवतापूर्ण भ्रष्टाचार नहीं देखा होगा। उनके स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में, अमानतुल्लाह खान को वक्फ बोर्ड में घोटाले के आरोप में, नरेश बाल्यान को माफिया से संबंधों के आरोप में जेल भेजा गया। सुधांशु त्रिवेदी ने आगे कहा कि आज के समय में सभी राजनीतिक दलों के लिए सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीयता का संकट है। आज मैं 10 बिंदु साझा करना चाहता हूं, जिसका वादा अरविंद केजरीवाल और आप ने किया था। उन्होंने असुरक्षित बिजली के तारों से राहत का वादा किया था। उनके कार्यकाल के 10 साल बाद, स्थिति यह है कि 23 जुलाई 2024 को इन तारों की वजह से एक 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई। उन्होंने वादा किया था कि वे कूड़े के ढेर साफ करेंगे। हालांकि, बताया जा रहा है कि दिल्ली में कूड़े के ढेर की ऊंचाई 8 मीटर बढ़ गई है।

जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल करे मोदी सरकार : उमर अब्दुल्ला

» बीजेपी पर किया हमला, बोले- राज्य की सारी समस्याएं खत्म नहीं हुई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी सरकार ने कुछ चुनावी वादों को लागू करना शुरू कर दिया है और व्यवस्था में बदलाव की आवश्यकता वाले अन्य वादों को पूरा करने की दिशा में काम करेगी। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हमें सत्ता में आए दो महीने हो गए हैं, और यह समझने में कुछ समय लगा कि केंद्र शासित प्रदेश के रूप में जम्मू और कश्मीर में यह नई प्रणाली कैसे काम करती है। हमारी पिछली सरकार और इस सरकार में बहुत अंतर है। मैंने सोचा था कि ऐसी परिस्थितियों में काम करना मुश्किल होगा, लेकिन हमारी शुरुआत काफी अच्छी रही है।

अब्दुल्ला ने उम्मीद जताई कि केंद्र शासित प्रदेश के रूप में क्षेत्र का दर्जा अस्थायी होगा। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लोगों को चुनावों में उनकी सक्रिय भागीदारी के बदले में कुछ प्राप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। बीजेपी पर निशाना साधते हुए नेकां के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि भले ही हम स्वीकार कर लें कि जम्मू-कश्मीर का दर्जा स्थायी रूप से हल हो गया है, लेकिन तथ्य यह है कि जम्मू-कश्मीर का एक हिस्सा सीमा के दूसरी ओर जब भाजपा दावा करती है कि कश्मीर मुद्दा सुलझ गया है, तो क्या इसका मतलब यह है कि उनका मानना है कि सीमा के दूसरी ओर का मुद्दा भी सुलझ गया है कश्मीर मुद्दा अभी भी मौजूद है, चाहे सीमा के इस तरफ या उस तरफ, और यह ऐसी चीज है जिस पर हम चर्चा कर सकते हैं।

रोहित सिडनी टेस्ट से होंगे बाहर!

» आकाश दीप चोटिल, नहीं खेलेंगे पांचवां टेस्ट मैच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिडनी। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट मुकाबले से बाहर हो गए हैं। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आकाश दीप को पीठ में कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ा है जिस कारण यह तेज गेंदबाज सिडनी टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं हो सकेगा। वहीं भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इस बात की पुष्टि नहीं है कि कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट का हिस्सा होंगे या नहीं। गंभीर ने कहा, रोहित के साथ सबकुछ ठीक है। मुझे नहीं लगता कि मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कप्तान का आना कोई परंपरा है। मुख्य कोच आपके सामने है और यह सही है।

जब यह पूछा गया कि क्या रोहित भारतीय टीम की रणनीति का हिस्सा हैं? इस पर गंभीर ने कहा, हम कल पिच देखकर प्लेइंग-11 के बारे में फैसला लेंगे। उन्होंने कहा कि हम पहले से ही सीरीज में 1-2 से पिछड़ रही भारतीय टीम के लिए आकाश दीप का बाहर होना झटके से कम नहीं है। आकाश दीप ने पिछले दो टेस्ट मुकाबले में पांच विकेट लिए थे। आकाश दीप के स्थान पर हर्षित राणा या प्रसिद्ध कृष्णा में किसी को प्लेइंग-11 में जगह मिल सकती है। सीरीज में पिछड़ने के बावजूद भारतीय टीम के पास पांचवां और अंतिम टेस्ट जीतकर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी बरकरार रखने का मौका रहेगा। बता दें चौथे टेस्ट के बाद कप्तान रोहित शर्मा की काफी आलोचना हुई थी क्योंकि उन्होंने खुद को शीर्ष क्रम पर लाने के लिए गिल को प्लेइंग-11 से बाहर रखा था। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जा बनाए रखने के साथ ही डब्ल्यूटीसी के फाइनल की दौड़ में बने रहना है तो टीम के सर्वोत्तम हित में कुछ विकल्प में से सर्वश्रेष्ठ को चुनना होगा।

सिडनी टेस्ट से ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श की हुई छुट्टी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ शुक्रवार से सिडनी में होने वाले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट मुकाबले के लिए प्लेइंग-11 में एक बदलाव किया है। कप्तान पैट कमिंस ने पुष्टि करते हुए बताया है कि ऑलराउंडर मिचेल मार्श इस टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। उनकी जगह ब्यू वेबस्टर को प्लेइंग-11 में जगह दी गई है जो टेस्ट में डेब्यू करेंगे। ऑस्ट्रेलिया इस सीरीज में फिलहाल 2-1 से आगे है और उसके पास 2014 के बाद पहली बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाने का मौका रहेगा। मार्श इस सीरीज से बल्ले में दम दिखाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने चार टेस्ट मैचों प्रत्येक पारी में 10.42 के औसत से महज 73 रन बनाए। कमिंस और चयनकर्ताओं ने फॉर्म में नहीं चल रहे मार्श को बाहर रखने का फैसला किया जो गेंद से भी प्रभावित नहीं कर पा रहे थे। मार्श की जगह टीम में शामिल किए गए वेबस्टर ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट खेलने वाले 469वें खिलाड़ी होंगे।

» आजाद अधिकार सेना ने डीजीपी को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने डीजीपी, यूपी को पत्र भेजकर सीओ संभाल अनुज चौधरी को ट्रांसफर करने और उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई करने की मांग की है। अपनी शिकायत में उन्होंने कहा कि अनुज चौधरी अपनी ड्यूटी के दौरान लगातार अपनी ड्यूटी से इतर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेते दिख रहे हैं। इनमें धार्मिक जुलूस से संबंधित गदा उठाने और उसे पुजारी को देने, ड्यूटी के दौरान भजन गाने, विभिन्न मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने के कार्य शामिल है।

इनमें कई कार्य उनके द्वारा पुलिस वर्दी में किया जा रहा है। अमिताभ ठाकुर ने अनुज चौधरी को तत्काल जिले से ट्रांसफर किए जाने और उनके विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही प्रदेश के पुलिस अफसरों को ड्यूटी के दौरान बिना स्पष्ट कारण के धार्मिक कार्यक्रमों में भाग न लेने और इस दौरान वर्दी के नियमों का पूर्ण पालन करने के निर्देश देने की भी मांग की। उन्होंने पत्र में लिखा कृपया अविलम्ब अनुज कुमार चौधरी को जनपद संभल से अन्यत्र स्थानांतरिक किया जाए। अनुज चौधरी के उक्त कार्यों के संबंध में किसी वरिष्ठ अधिकारी से जाँच कराते हुए उनके विरुद्ध नियमानुसार विभागीय कार्यवाही हो। चौधरी द्वारा लगातार ऐसा कार्य करने के बाद भी इन्हें नज़रंदाज करने के संबंध में एसपी संभल कृष्ण कुमार का उत्तरदायित्व निर्धारित कराया जाए।

सेवक आचरण नियमावली का किया उल्लंघन : अमिताभ ठाकुर

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने इसे उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक आचरण नियमावली 1956 के नियम 3 तथा 4 के उल्लंघन के साथ वर्दी धारण के संबंध में डीजीपी के सर्कुलर 6 अक्टूबर 2014 का स्पष्ट उल्लंघन बताया।

जातीय जनगणना कराकर हल होगा विवाद : आदित्य

» पीडीपी नेता ने जम्मू-कश्मीर में आरक्षण को लेकर की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आरक्षण को लेकर रार मची हुई है। जहां पीडीपी व बसपा ने पूर्व की सरकारों पर ठीक से आरक्षण न लागू किए जाने का आरोप लगाया है। पीडीपी के प्रवक्ता आदित्य गुप्ता ने कहा है कि सरकार को इस विवाद का हल जातीय जनगणना से करना चाहिए। प्रदेश सरकार को अपने स्तर जनगणना करवानी चाहिए। इससे हर जातियों के लोगों की संख्या की जानकारी मिलेगी।

जम्मू-कश्मीर में बढ़ती बेरोजगारी में आरक्षण के वर्तमान मुद्दा में मिट्टी के तेल की तरह काम कर रही है। आरक्षण के मुद्दों जम्मू-कश्मीर की राजनीति जातीय राजनीति की तरह बढ़ रही है।

पीछे हटने को किसान नहीं तैयार, फिर दिल्ली कूच करेंगे, चार को महापंचायत की तैयारी

» किसान नेताओं की अपील- ट्रैक्टर ट्रालियां लेकर पहुंचें किसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटियाला (पंजाब)। शंभू बॉर्डर पर डटे किसानों ने फिर दिल्ली कूच की तैयारी कर ली है। किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने अपील की है कि किसान ट्रैक्टर-ट्रालियां लेकर बड़ी संख्या में शंभू बॉर्डर पर पहुंचना शुरू करें। जल्द ही दिल्ली कूच के लिए तारीख का एलान किया जाएगा। वहीं संयुक्त किसान मोर्चा ने सुप्रीम कोर्ट की हाई पावर कमेटी का निमंत्रण ठुकरा दिया है।

पंधेर ने बताया कि 6 जनवरी को गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व शंभू बॉर्डर पर मनाया जाएगा। बॉर्डर के नजदीक पड़ते गांवों के लोगों के साथ-साथ किसानों को भी ज्यादा से ज्यादा गिनती में इस धार्मिक समागम में शिरकत करने की अपील की गई है। पंधेर ने बताया कि बैठक में दोनों मोर्चों के फैसले के मुताबिक सरकार से विधानसभा सत्र में मंडियों के निजीकरण की केंद्र की नीति को रद्द करने संबंधी प्रस्ताव लाने की मांग की गई है। सरकार किसानों की 12 मांगों के समर्थन में भी प्रस्ताव पास करे।

'किसानों ने नहीं मनाया नए साल का जश्न'

पंधेर ने आगे कहा कि जहां पूरी दुनिया नए साल का जश्न मना रही है, वहीं किसान अपने परिवारों से दूर कड़ाके की ठंड में बॉर्डरों पर डटे हुए हैं। किसानों के लिए कोई नया साल नहीं है। जब उनके नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल आमरण अनशन पर है और उनकी हालत लगातार नाजुक बनी हुई है। केंद्र सरकार लगातार मांग के बावजूद मांगों को लेकर बातचीत करने की दिशा में कदम नहीं बढ़ा रही है।

खनौरी में तीन बैठकें बेनतीजा

खनौरी बॉर्डर पर किसानों व पुलिस प्रशासन के बीच बुधवार को तीन बैठकें हुईं, लेकिन कोई नतीजा निकल नहीं पाया। बैठक के बाद किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने बताया कि बैठकें सकारात्मक माहौल में हुई हैं। आंदोलन के विभिन्न पहलुओं को लेकर विचार चर्चा की गई है। प्रशासन की तरफ से कुछ प्रस्ताव भी आए हैं, लेकिन ठोस प्रस्ताव मिलने पर ही किसान संगठन आगे कोई फैसला लेंगे। वहीं, किसान नेता काका सिंह कोटड़ा ने कहा कि जब तक मांगों को लेकर लिखित में आश्वासन नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन को जारी रखा जाएगा।

महापंचायत में शामिल हो सकते हैं दो लाख से अधिक किसान

4 जनवरी को खनौरी बौरी बार्डर पर होने वाली किसान महापंचायत की तैयारी के लिए अलग-अलग कमेटियां का गठन किया गया। किसान नेताओं ने कहा कि महापंचायत में 2 लाख से अधिक किसानों के शामिल होने की उम्मीद है। इसमें डल्लेवाल किसानों के नाम अपना जरूरी संदेश देंगे। इसलिए सभी किसानों को खन्नौरी मोर्चे पर सुबह 10 बजे तक पहुंचना है।

पंजाब सरकार को फिर 'सुप्रीम' फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार को फटकार लगाई और कहा कि पंजाब सरकार के अधिकारी मीडिया में इस तरह का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं कि किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के अनशन को तुड़वाने की कोशिशें हो रही हैं। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि हमने डल्लेवाल का अनशन तुड़वाने का निर्देश नहीं दिया और हम सिर्फ उनके सेहत को लेकर चिंतित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने अब पंजाब सरकार को डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता मुहैया कराने और उन्हें अस्पताल में भर्ती करने की समय सीमा छह जनवरी तक बढ़ा दी है। डल्लेवाल बीती 26 नवंबर से आमरण अनशन कर रहे हैं और उनकी मांग है कि जब तक केंद्र सरकार किसानों को बातचीत के लिए आमंत्रित नहीं करेगी, तब तक वह अपना अनशन खत्म नहीं करेंगे। वहीं डल्लेवाल की बिगड़ती सेहत के बाद सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता मुहैया कराने का आदेश दिया था।

डल्लेवाल की हालत नाजुक बोलने में हो रही परेशानी

अनशन पर चल रहे जगजीत सिंह डल्लेवाल की हालत लगातार नाजुक बनी हुई है। डॉक्टरों ने मीडिया बुलेटिन जारी करके बताया है कि उन्हें अब बोलने में भी परेशानी हो रही है। उनके शरीर में काफी कमजोरी आ गई है। बुधवार को उत्तरप्रदेश के लखीमपुर खीरी एवं धौरहरा से समाजवादी पार्टी के 2 सांसद आनंद भदौरिया एवं उत्कर्ष वर्मा अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ डल्लेल से मिलने पहुंचे और पार्टी की तरफ से समर्थन पत्र सौंपा। पंजाबी गायक बब्बू मान भी हालचाल जानने पहुंचे। जजपा के नेता दिग्विजय चौटाला अपना समर्थन देने के लिए खनौरी मोर्चे पर पहुंचे।

इस साल नीतीश चाचा की विदाई तय: तेजस्वी यादव

» बोले- प्रगति यात्रा नहीं बल्कि विदाई यात्रा कर रहे हैं सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को नए साल की शुभकामना देते हुए उनपर तंज भी हमला भी किया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि इस साल नीतीश चाचा की विदाई तय है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार प्रगति यात्रा नहीं बल्कि विदाई यात्रा कर रहे हैं। पता नहीं नीतीश कुमार कहां घूम रहे हैं, किससे बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार अब थक चुके हैं। खेत में लगातार 20 साल तक एक ही बीज डालने से फसल और जमीन दोनों खराब हो जाता है। नए ब्रांड का नया बीज डालने का समय आ गया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि नए साल में बिहार को आगे बढ़ाना है। बिहार से एनडीए की विदाई तय है।

विगत दस दिनों से राजनीतिक गलियारों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राजद में शामिल होने की चर्चा चल रही थी। लेकिन आज यह चर्चा और काफी तेज तब हो गई जब नये साल के पहले ही दिन कांग्रेस की महिला विधायक प्रतिमा दास अचानक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने के लिए सीएम हाउस पहुंच गईं। जब बाहर निकली तब उन्होंने कहा कि इस मुलाकात का कोई अलग मतलब न निकालें, नया साल सीएम नीतीश कुमार को नये साल की बधाई देने और उनसे आशीर्वाद लेने गई थी। उधर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव राजभवन पहुंचे और महामहीम से मुलाकात की। फिर राज्यपाल राबड़ी देवी से मिलने राबड़ी आवास पहुंचे तो इधर सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास गये।

लालू यादव ने नीतीश के लिए फिर खोला दरवाजा

राजद सुप्रीमो लालू यादव के एक बयान से बिहार की राजनीति में बवाल मच गया है। लालू ने कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए उनके दरवाजे खुले हैं और वह चाहें तो उनके साथ आ सकते हैं। वहीं, सीएम नीतीश कुमार ने लालू के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, आप क्या कह रहे हैं, छोड़िए। जेडीयू नेता विजय चौधरी ने भी लालू के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि हमारी पार्टी में कोई भ्रम नहीं है, पार्टी और मुख्यमंत्री का स्टैंड साफ है कि हम एनडीए में हैं और एनडीए में ही रहेंगे।

चंदन गुप्ता मर्डर में 28 दोषी करार, 2 आरोपी बरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चंदन गुप्ता मर्डर में लखनऊ में स्पेशल एएनआई कोर्ट ने फैसला सुना दिया है। कोर्ट ने 28 आरोपियों को दोषी ठहराया है जबकि 2 को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया है।

26 जनवरी 2018 को कासगंज में तिरंगा यात्रा के दौरान चंदन गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद शहर में दंगा भड़क गया था। इस मामले को 8 साल हो गए हैं। इसमें चंदन के पिता सुशील गुप्ता ने कासगंज के थाने में सलीम को मुख्य आरोपी बनाया था। उसके अलावा करीब 20 लोगों को नामजद किया गया था। चंदन गुप्ता उस समय बीकॉम का स्टूडेंट होने के साथ एक सामाजिक संस्था भी चलाता था। उसके पिता सुशील गुप्ता कासगंज में एक हॉस्पिटल में बतौर कंपाउंडर काम करते थे।

फोटो: 4 पीएम

वार्षिक बैठक लखनऊ। अपना दल एस कार्यालय में अपना दल की वार्षिक बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में अपना दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, यूपी सरकार में मंत्री आशीष पटेल सहित अपना दल एस के कई नेता मौजूद रहे।

आरिफ मोहम्मद खान व राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राज्यपाल के रूप में ली शपथ

» केरल व बिहार में नए गवर्नर ने संभाला कामकाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजेंद्र विश्वानाथ आर्लेकर ने बृहस्पतिवार को यहां राजभवन में आयोजित एक समारोह में केरल के 23वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। केरल उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति नितिन जामदार ने सुबह 10.30 बजे आर्लेकर को शपथ दिलाई।

आर्लेकर ने आरिफ मोहम्मद खान का स्थान लिया है जिन्हें बिहार का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। शपथ ग्रहण समारोह में केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, उनके कैबिनेट सहयोगियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। वहीं आरिफ मोहम्मद खान ने गुरुवार को राजभवन में एक समारोह के दौरान बिहार के राज्यपाल के रूप में शपथ ली।

पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन ने खान को पद की शपथ दिलाई। समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अलावा राज्य के अन्य मंत्री और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। खान ने राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर का स्थान लिया, जिन्हें केरल का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। शपथ के बाद खान ने कहा कि मैंने अभी शपथ ली है। बिहार का गौरवशाली इतिहास है और बिहार के लोगों में बहुत क्षमता है – वे देश की पूरी व्यवस्था चला रहे हैं। वहीं, शपथ समारोह से पहले आरिफ मोहम्मद खान ने बांस घाट पर डॉ. राजेंद्र प्रसाद को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि ये वही लोग थे जिनके कारण देश को आजादी मिली। इसलिए इन्हें याद रखना जरूरी है। सोमवार को पटना पहुंचने के बाद खान ने हवाईअड्डे पर पत्रकारों से कहा था कि वह राज्य की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का प्रयास करेंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।